



बौद्धिक संपदा अधिकार

प्रलिस के लयः

वशव बौद्धक संपदा संगठन (WIPO), भारत में पेटेंट मानदंड (Patent Criteria in India), [राष्ट्रीय IPR नीतऱ](#) (National IPR Policy), [राष्ट्रीय बौद्धक संपदा जागरूकता मशऱन \(National Intellectual Property Awareness Mission-NIPAM\)](#), [बौद्धक संपदा साकषरता एवं जागरूकता अभयऱन के लयऱ कलाम कार्यक्रम \(Kalam Program for Intellectual Property Literacy and Awareness Campaign-KAPILA\)](#).

मेन्स के लयः

बौद्धक संपदा अधिकार से संबधतऱ मुददे, एक मज़बूत IPR पारसऱथतऱकऱ तंत्र कऱ भूमकऱ एवं महत्त्व, भारत का वर्तमान परदृश्य, महिलाओं कऱ भागीदारी में सुधार

चर्चा में क्योँ?

वर्ष 2000 में [वशव बौद्धक संपदा संगठन \(WIPO\)](#) ने 26 अप्रैल को वशव बौद्धक संपदा दवऱस के रूप में नामतऱ कयऱ, जसऱ दनऱ वर्ष 1970 में WIPO अभसऱमय लागू हुआ थऱ, जसऱका उददेश्य IP के बारे में सामान्य जागरूकता एवं समझ को बढ़ऱना थऱ ।

- वशव बौद्धक संपदा दवऱस, 2023 का वषऱय- “वीमेन एंड IP: एक्सेलरेटऱगऱ इनोवेशन एंड क्रेटऱवऱटऱ” (Women and IP: Accelerating Innovation and Creativity) है ।

नोटः मार्च 2023 में जऱरी WIPO के ऑकडों के अनुसार, यह अनुमान लगऱया गयऱ है कऱवर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय पेटेंट आवेदकों में नामतऱ नवपरवर्तकों में केवल 16.2% महलऱएँ थीं । हऱलॉक यह संख्या बढ़ रही है परंतु इसकऱ प्रगतऱ धऱमी है ।

बौद्धक संपदा

- परचयः
 - आधुनकऱ युग में [बौद्धक संपदा](#) सबसे मूल्यवान संपत्तऱ है क्योँकऱ यह मानवीय वकऱस को गतऱ देने वाले तकनीकऱ नवाचार को पुरस्कृत करतऱ है । यह वैश्वकऱ कला परदृश्य कऱ उन्नतऱ में सहायक है ।
 - बौद्धक संपदा कऱल्पनकऱ रचनाओं को संदरभतऱ करतऱ है । इसमें सभऱ प्रकार के आवषऱकार, साहत्यऱकऱ एवं वैज्जऱनकऱ, कलात्मक कऱर्य, डिज़ऱइन एवं कई अन्य चीजें शऱमलऱ हैं ।
 - वे उन वयक्तयऱओं को भी संदरभतऱ कर सकते हैं जनऱकऱ प्रतषऱठा स्वयं ही वऱणज्यऱकऱ सुवधऱ और लऱभ को नयऱंतरतऱ करतऱ है ।
- IP अधिकऱरः
 - WIPO, संपत्तऱ के आवषऱकारकों या नरऱमातऱओं को कृछ वशऱष अधिकऱर प्रदऱन करने के लयऱ नयऱम नरऱधऱरतऱ करतऱ है तऱकऱषऱ अपने रचनात्मक प्रयऱसों या प्रतषऱठा से वयऱवसायकऱ लऱभ प्रऱप्त कर सकें ।
 - बौद्धक संपदा अधिकऱर (IPR) कऱनूनी संरकषण का एक रूप है जो वयक्तयऱओं या कंपनयऱओं को उनके रचनात्मक एवं अभनऱव कऱर्यों के लयऱ प्रदऱन कयऱ जऱतऱ है ।
 - ये अधिकऱर [मानव अधिकऱरों कऱ सऱरवभौम घोषणा के अनुच्छेद 27](#) में उल्लखऱतऱ हैं ।
 - इन कऱनूनी सुरकषऱ उपायों के कारण रचनाकार को उसकऱ रचनाओं को वनऱयऱमतऱ करने और दूसरों द्वऱरा उन रचनाओं के उपयऱग या अनधकऱत प्रतऱकृतऱ को प्रतऱबऱधतऱ करने में सहायतऱ मलऱतऱ है ।
- प्रकारः
 - IP के मुख्य प्रकारों में आवषऱकारों के लयऱ [पेटेंट](#), ब्रऱंडगऱ के लयऱ [ट्रेडमऱरक](#), कलात्मक और साहत्यऱकऱ कऱर्यों के लयऱ [कॉपीराइट](#),

गुप्त व्यावसायिक सूचनाओं के लिये व्यापारिक गोपनीयता तथा उत्पाद की प्रस्तुति के लिये औद्योगिक डिज़ाइन शामिल हैं।

■ भारत और IPR:

- भारत **वशिव व्यापार संगठन** का सदस्य होने के साथ-साथ बौद्धिक संपदा के **व्यापार संबंधी पहलुओं पर समझौते (ट्रिपिस समझौते)** के लिये प्रतबिद्ध है।
- भारत **वशिव बौद्धिक संपदा संगठन (World Intellectual Property Organisation- WIPO)** का भी सदस्य है, जो **वशिव भर में बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये उत्तरदायी निकाय** है।
- **राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) नीति, 2016** को मई 2016 में देश में IPR के भविष्य के विकास को निर्देशित करने के लिये एक विज़न दस्तावेज़ (Vision Document) के रूप में अपनाया गया था।
- नीतिका आदर्श वाक्य "**क्रिएटिवि इंडिया; इनोवेटिवि इंडिया**" (**Creative India; Innovative India**) है।

भारत में पेटेंट मानदंड

■ परिचय:

- पेटेंट एक आविष्कार के लिये एक वैधानिक अधिकार है जो सरकार द्वारा पेटेंटधारक को उसके आविष्कार के पूर्ण प्रकटीकरण के बदले में सीमिति अवधि के लिये प्रदान किया जाता है, ताकि दूसरों को उसकी सहमति के बिना उन उद्देश्यों हेतु उस उत्पाद के उत्पादन के लिये पेटेंट कथि गए उत्पाद या प्रक्रिया को बनाने, उपयोग करने, बेचने या आयात करने से रोका जा सके।

■ अवधि:

- हालाँकि, **पेटेंट सहयोग संधि (PCT) के अंतर्गत नेशनल फेज़ (राष्ट्रीय चरण)** में दाखिल आवेदनों के पेटेंट की अवधि PCT के तहत की गई अंतरराष्ट्रीय आवेदन तथिसे 20 वर्ष तक होगी।
 - दथि गए प्रत्येक पेटेंट की अवधि आवेदन दाखिल करने की तथिसे अगले 20 वर्ष तक होती है।

IPR पारस्थितिकी तंत्र की भूमिका एवं महत्त्व:

- **नवाचार को प्रोत्साहन:** एक मज़बूत IPR पारस्थितिकी तंत्र निर्माताओं के नवाचार को वधिक संरक्षण प्रदान करता है। यह व्यक्तियों एवं व्यवसायों को अनुसंधान और विकास में निवेश करने के लिये प्रोत्साहित करता है तथा निरंतर नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है। नतीजतन, राष्ट्र तकनीकी एवं आर्थिक रूप से उन्नत करता है।
- **सहयोग और ज्ञान साझा करना:** विभिन्न निर्माताओं/रचनाकारों का सहयोग उनके ज्ञान और कौशल को एक साथ लाता है। एक मज़बूत IPR तंत्र यह सुनिश्चित करके सहयोग को प्रोत्साहित करती है कि प्रत्येक प्रतभागी की बौद्धिक संपदा सुरक्षित है।
 - यह **उद्योगों और संस्थानों के बीच ज्ञान साझाकरण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और सहयोग** करता है, जो समग्र प्रगति में योगदान देता है।
- **सरकारी समर्थन एवं वैधानिक मंच:** सरकार वैधानिक मंच प्रदान कर तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करने वाले कानून बनाकर एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
 - यह समर्थन निर्माताओं और नवप्रवर्तकों के लिये निश्चिंता एवं सुरक्षा का वातावरण निर्मित करता है, जिससे वे अनधिकृत उपयोग अथवा उल्लंघन के भय के बिना अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकें।
- **उत्तरदायी उपयोग और लाभ साझाकरण:** यह बौद्धिक संपदा अधिकारों के उत्तरदायी उपयोग और आविष्कारकों तथा समाज के बीच समान लाभ वितरण को सुनिश्चित करता है। एक मज़बूत IPR पारस्थितिकी तंत्र यह सुनिश्चित करता है कि सृजनकर्त्ता सामाजिक आवश्यकताओं के साथ अपने अधिकारों को संतुलित करते हुए IPR का उचित उपयोग करें।
 - इसके अतिरिक्त यह भी सुनिश्चित करता है कि निवाचारों से प्राप्त लाभों को समान रूप से साझा किया जाए तथा निष्पक्षता एवं सामाजिक विकास की भावना को बढ़ावा दिया जाए।
- **आर्थिक विकास और प्रतसिपर्द्धात्मकता:** एक मज़बूत IPR पारस्थितिकी तंत्र निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है। यह व्यवसायों को घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में उनकी प्रतसिपर्द्धात्मकता को बढ़ाते हुए उनकी बौद्धिक संपदाओं के विकास और सुरक्षा के लिये प्रोत्साहित करता है। इससे रोज़गार सृजन, निर्यात में वृद्धि एवं समग्र आर्थिक उन्नति होती है।
- **अंतरराष्ट्रीय संबंध और व्यापार:** एक मज़बूत IPR तंत्र वाले देशों के अनुकूल व्यापारिक संबंध होने की संभावना अधिक होती है। बौद्धिक संपदा संरक्षण के अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन एक देश की प्रतषिठा को बढ़ाता है, व्यापारिक वार्ताओं को सुगम बनाता है और नवीन उत्पादों एवं सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देता है।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा:** **फारमास्यूटिकल** जैसे क्षेत्रों में मज़बूत IPR संरक्षण यह सुनिश्चित करता है कि आविष्कारकों और निर्माताओं को नई दवाओं एवं प्रौद्योगिकियों को विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यह जीवन रक्षक उपचारों तथा उत्पादों के निर्माण एवं उपलब्धता को बढ़ावा देकर **सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा** में योगदान प्रदान करता है।

वर्तमान भारतीय परदृश्य

■ पहल:

- भारत ने वर्ष 1999 से अपने IPR कानूनों में महत्त्वपूर्ण बदलाव कथि हैं, हाल ही में **राष्ट्रीय IPR नीति, राष्ट्रीय (बौद्धिक संपदा) जागरूकता मशिन (NIPAM), कलाम बौद्धिक संपदा साक्षरता एवं जागरूकता अभियान (KAPILA)** जैसे कार्यक्रमों के आयोजन तथा प्रक्रियात्मक सरलीकरण के परिणामस्वरूप ने **IP तंत्र और मज़बूत हुआ है।**

- ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (GII) में रैंक:
 - WIPO द्वारा जारी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (GII), 2022 में कुल 132 देशों की रैंकिंग में से भारत 40वें स्थान पर था।
 - जबकि वर्ष 2021 में भारत 46वें और वर्ष 2015 में 81वें स्थान पर था।
- अन्य संबंधित तथ्य:
 - भारत, एशिया का नवाचार केंद्र बनने की दृष्टि में तीव्रता से अग्रसर है, जो वैश्विक वनिरिमाण केंद्र बनने की महत्त्वाकांक्षा रखता है।
 - प्रधानमंत्री ने भारत को [वर्ष 2047 तक एक विकसित देश](#) बनाने की समय सीमा निर्धारित की है।

इस संबंध में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहन

- शक्ति एवं जागरूकता: कम उम्र से ही बालिकाओं एवं महिलाओं के लिये [STEM\(वैज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित\)](#) रूपी शक्ति को बढ़ावा देना। नवाचार एवं IP में उनके ज्ञान तथा कौशल में वृद्धि करने के लिये प्रासंगिक शैक्षणिक कार्यक्रमों, कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण सत्रों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- मेंटरशिप और रोल मॉडल: मेंटरशिप प्रोग्राम स्थापित करना, जो महिला नवाचारों को उनके क्षेत्र में अनुभवी पेशेवरों से जोड़ता है। सफल महिला नवाचारों को रोल मॉडल के रूप में कार्य करने के लिये प्रोत्साहित करना और इच्छुक नवाचारों के विचारों को आगे बढ़ाना तथा IP संरक्षण के लिये प्रेरित करना।
- नेटवर्किंग और सहयोग: नेटवर्किंग के अवसरों और प्लेटफॉर्मों को सुगम बनाना जहाँ महिला नवप्रवर्तक जुड़ सकती हैं, सहयोग कर सकती हैं और अपने अनुभव साझा कर सकती हैं। विशेष रूप से नवाचार एवं IP में महिलाओं पर केंद्रित समुदायों, मंचों और समर्थन नेटवर्क की स्थापना करना।
- वित्तीय एवं संसाधन: वित्त पोषण के अवसरों, अनुदानों और संसाधनों तक पहुँच प्रदान करना जो विशेष रूप से महिला नवप्रवर्तकों को लक्षित करते हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप और नवाचारों का समर्थन करने के लिये समर्थन पहल और निवेश कोष बनाना।
- IP प्रशिक्षण और उसका समर्थन: विशेष रूप से महिला नवप्रवर्तकों को पेटेंट, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट सहित IP अधिकारों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करना।
 - IP तंत्र को नेवगिट करने में मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करना, जिसमें आवेदन दाखिल करने एवं अनुज्ञप्तिविकल्पों को समझने में सहायता शामिल है।
- सांस्कृतिक बदलाव एवं पूर्वाग्रहों को चुनौती: सामाजिक रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों को चुनौती देना, जो नवाचार और IP में महिलाओं की भागीदारी में बाधा उत्पन्न करते हैं। नवाचार पारस्थितिकी तंत्र के सभी पहलुओं में समावेशिता, विविधता और समान अवसरों को बढ़ावा देना।

नषिकर्ष

पारंपरिक दृष्टिकोण, मार्ग में आने वाली उन चुनौतियों से निपटने में प्रभावी नहीं हो सकते हैं, विशेष रूप से भारत जैसे देश में जहाँ एक बड़ी आबादी रहती है। यहाँ त्वरित समाधान की खोज करने में पारंपरिक मार्ग से हटकर सोचना तथा प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप को महत्त्वपूर्ण माना जाता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. 'राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति (नेशनल इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स पॉलिसी)' के संदर्भ में नमिनलखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

1. यह दोहा विकास एजेंडा और TRIPS समझौते के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराता है।
2. औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग भारत में बौद्धिक संपदा अधिकारों के वनियमन के लिये केन्द्रक अभिकरण (नोडल एजेंसी) है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

प्रश्न. नमिनलखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. भारतीय पेटेंट अधिनियम के अनुसार, किसी बीज को बनाने की जैव प्रक्रिया को भारत में पेटेंट कराया जा सकता है।
2. भारत में कोई बौद्धिक संपदा अपील बोर्ड नहीं है।
3. पादप कस्मिं भारत में पेटेंट कराए जाने के पात्र नहीं हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 3

- (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

प्रश्न: वैश्वीकृत संसार में, बौद्धिक संपदा अधिकारों का महत्त्व हो जाता है और वे मुकद्दमेबाज़ी का एक स्रोत हो जाते हैं। कॉपीराइट, पेटेंट और व्यापार गुप्तियों के बीच मोटे तौर पर वभिदन कीजिये। (मुख्य परीक्षा 2014)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/intellectual-property-right-2>

